सत्रीय कार्य पुस्तिका

कुक्कुट पालन
में प्रमाणपत्र
(जनवरी, २०२० और जुलाई, २०२०
सत्र के लिए)

कृषि विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–११००६८

२०२०

कृषि विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि

पाठ्यक्रम कोड	पीएससी में सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि	
	जनवरी २०२० सत्र	जुलाई २०२० सत्र
ओएलपी 001	29 फरवरी २०२०	31 अगस्त २०२०
ओएलपीआई 001	13 मार्च २०२०	15 सितम्बर २०२०
ओएलपीआई 002	27 मार्च २०२०	29 सितम्बर २०२०

नोट :

- कृपया, अपना सत्रीय कार्य उपरोक्त तिथि के अनुसार अपने अध्ययन केन्द्र/पीएससी में जमा कराए।
- परीक्षा फार्म जमा कराने से पहले (मार्च और सितम्बर में क्रमशः जून और दिसम्बर सत्रांत परीक्षा हेतु), अनिवार्य है कि आप जिन पाठ्यक्रमों की परीक्षा के लिए आवेदन कर रहे है, उनसे संबंधित सत्रीय कार्य जमा करायें, और कार्यक्रम प्रभारी या अध्ययन केंन्द्र/पीएससी के संयोजक से इसका प्रमाणीकरण करायें।

प्रिय शिक्षाार्थी,

"कुक्कुट पालन में प्रमाण पत्र (सीपीएफ) कार्यक्रम" में आपका स्वागत है।

आशा है कि आपने सीपीएफ कार्यक्रम मार्गदर्शिका को अच्छे से पढ़ लिया होगा। सत्रांत परीक्षा (TEE) की अधिभारिता - 80% और सतत् मूल्यांकन (सत्रीय कार्य) की 20% होगी। सैद्धांतिक घटक के साथ प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य है अर्थात् कार्यक्रम में सम्मिलित पाठ्यक्रमों (ओएलपी 001, ओएलपीआई 001 और ओएलपीआई 002) के लिए तीन सत्रीय कार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य 50 अंकों का है जो कि अंततः, सैद्धांतिक घटक की 20% अधिभारिता में परिवर्तित होगा। शिक्षार्थियों को सलाह दी जाती है कि आप सर्वप्रथम अध्ययन सामग्रियों का अध्ययन करें और तत्पश्चात् निर्देशों को ध्यान में रख कर सत्रीय कार्य प्रतिक्रिया तैयार करें। आपकी प्रतिक्रियाएं स्व–अध्ययन उद्देश्यों के लिए प्रदत्त पाठ्यपुस्तक सामग्री/खंडों की ज्यों की त्यों नकल नहीं होनी चाहिए। अपनी सत्रीय कार्य प्रतिक्रियाएं निर्धारित तारीख या इससे पहले तक अपने अध्ययन केंद्र/कार्यक्रम अध्ययन केंद्र (पीएससी) में जमा करा दें। सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन अध्ययन केंद्र/पीएससी के परामर्शदाताओं द्वारा किया जायेगा और प्राप्त अंकों की अधिभारिता सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के प्रतिशत में जोड़ दी जायेगी। सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए प्रत्येक शिक्षार्थी को सत्रीय कार्य पूरा करना होगा। इसलिए अपने सत्रीय कार्यों को सजगता से लें और समय पर जमा करायें।

सामान्य निर्देश

1. यदि आप किसी सामान्य निर्देश सत्र की देय तारीख से पहले सत्रीय कार्य जमा नहीं करा पाते तो आपको आगामी सत्रों के सत्रीय कार्य के नये सेट को पूरा करना होगा।
2. अपनी उत्तर पृश्ठिका के पहले पृश्ठ के सबसे ऊपर दाये कोने में अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और प्रेशण की तारीख लिखें।
3. अपनी उत्तर पृश्ठिका के पहले पृश्ठ के बायें कोने में कार्यक्रम, शीर्शक, पाठ्यक्रम शीर्शक, सत्रीय कार्य कोड, अध्ययन केंद्र कोड के स्थान का उल्लेख करें।

प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए आपकी उत्तर पृश्ठिका के पहले पृश्ठ के सबसे ऊपर का भाग इस तरह होना चाहिएः

पाठ्यक्रम शीर्शक	नामांकन संख्या .....
कार्यक्रम कोड	नाम .....
अध्ययन केंद्र का कोड	पता .....
(स्थान)	.....
तिथि	.....

नोट : उपर्युक्त फार्मेट का अनुसरण कड़ाई से करें।

4. आपकी उत्तर पृश्ठिका हर नज़रिए से पूरी होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि सत्रीय कार्य जमा कराने से पहले आपने सत्रीय कार्यों के सभी प्रश्नों के उत्तर दिए हैं। अधूरे उत्तर खराब अंक देंगे।
5. जहाँ तक संभव हो पाठ्यक्रम सामग्री के प्रासंगिक बिंदुओं का उल्लेख करें और पाठ्य सामग्री की ज्यों की त्यों नकल लिखने की बजाय अपने उत्तर अपने शब्दों में खोल कर लिखें।
6. सत्रीय कार्य करते समय अध्ययन सामग्री की नकल न मारें। देखा गया है कि सत्रीय कार्यों को पूरा करने के लिए अध्ययन सामग्री की नकल मारी जाती है और इसके लिए शून्य अंक मिलेगा।
7. अन्य शिक्षार्थियों की उत्तर पृश्ठिकाओं से नकल न मारें। यदि ऐसा पाया जाता है तो संबद्ध शिक्षार्थियों के सत्रीय कार्यों को खारिज़ कर दिया जाएगा।
8. अपने उत्तर फुलस्केप साइज़ पेपर पर ही लिखें। सामान्य लेखन पत्र, न अधिक मोटे या पतले, ही कारगर होंगे। सत्रीय कार्य अनिवार्यतया हस्तलिखित ही हों। टंकित सत्रीय कार्य स्वीकार्य नहीं होंगे।
9. प्रत्येक सत्रीय कार्य में बाये और 3 इंच का मार्जन और प्रत्येक उत्तर की समाप्ति के बाद 4 पंक्तियों का फासला देना जरूरी है। प्रत्येक उत्तर की प्रश्न संख्या साफ तरीके से लिखें। सत्रीय कार्य करते समय, निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।
10. आपके अध्ययन केंद्र/पीएससी के संयोजक आपके मूल्यांकित सत्रीय कार्य आपको लौटा देंगे। सत्रीय कार्यों में आपके निश्पादन पर मूल्यांकन की संपूर्ण टिप्पणियाँ वाली मूल्यांकन पृश्ठिका की प्रति भी सम्मिलित होगी। इससे आप भावी सत्रीय कार्यों एवं सत्रांत परीक्षाओं को अधिक बेहतर तरीके से करने के योग्य होंगे।
11. सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र/पीएससी कार्यक्रम प्रभारी/संयोजक को भेजें।

सत्रीय कार्य करने से पहले निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।

कार्यक्रम की सफलता हेतु हमारी शुभकामनाएं!

सुखद अध्ययन!

कार्यक्रम संयोजक (सीपीएफ)

कुक्कुट पालन का परिचय

पाठ्यक्रम कोड : ओ.एल.पी.–001

कुल अंकः 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं। (5X10=50)

1. भारत में कुक्कुट उद्योग की वर्तमान स्थिति के बारे में चर्चा कीजिए। भारतीय कुक्कुट उद्योग की सामर्थ्य एवं कमजोरीयों पर अपनी राय व्यक्त कीजिए। भारत में कुक्कुट पालन के दायरे पर प्रकाश डालिए।
2. निम्नलिखित को एक या दो पंक्तियों में परिभाषित कीजिएः
    क) नस्ल
    ख) विराम
    ग) कल्लिंग
    घ) अंडे सेने की योग्यता
    च) ब्राइलर
3. दाना परिवर्तन अनुपात (FCR) और दाना क्षमता अनुपात (FER) में अंतर स्पष्ट कीजिए।
4. विभिन्न प्रकार के कुक्कुट फार्मो को पहचानें। बत्तख पालन के लाभों की चर्चा कीजिए।
5. कुक्कुट विकास मे शमिल विभिन्न संस्थानों की व्याख्या कीजिए।
6. निम्नलिखित नस्लों की किसी एक खास विशेषता का उल्लेख कीजिएः
    क) न्यू हैम्मपसशायर
    ख) लेगहॉर्न
    ग) रोड आइलैंड रेड
    घ) खाकी कैम्पबेल
    च) बेल्टसविली व्हाइट
7. चिकन के देह भागों का रेखाचित्र बनाइए और इनके नाम लिखिए।
8. मुर्गी के प्रजन्न अंगो को चित्र के माध्यम से वर्णन करें।
9. कृत्रिम गर्भाधान को परिभाषित कीजिए। इसके फायदे और कमीयों को लिखिए।
10. अच्छे लेयर्स एवं खराब लेयर्स में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

कुक्कुट आवास और प्रबंधन

पाठ्यक्रम कोड : ओ.एल.पी.आई.-001

कुल अंकः 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं। (5X10=50)

1. पोल्ट्री हाउस के पूर्वापेक्षित बिंदु कौन से हैं? पूर्वापेक्षित बिंदुओं के आधार पर अपने इलाके में पोल्ट्री फार्म शुरू करने की संभावना के बारे में अपनी राय दीजिए और अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

2. डीप लिटर प्रणाली क्या है। हमारे देश में किस प्रकार के पक्षियों के° लिए इस प्रणाली का उपयोग किया जाता है। इसके लाभ और कमीयों को बताइए।

3. ब्रायलर और लेयर कुक्कुट शाला में प्रयोग में आने वाले किन्ही दस उपकरणों को सुचिबद्ध कीजिए। ओर प्रत्येक उपकरण के एक उपयोग का वर्णन कीजिए।

4. मुर्गी के अंडे के उष्मायन एवं अंडजोप्पत्ति हेतु सेटर एवं हैचर से जुड़ी अपेक्षाओं की सूची बनाइए। प्रत्येक अपेक्षा के महत्व को भी स्पष्ट कीजिए।

5. ब्रूडिंग के दौरान चूज़ों के आराम का आकलन कैसे किया जाता है? रेखाचित्र की सहायता से दर्शाइए।

6. संक्रामक बर्सल रोग का वर्णन कीजिए।

7. ब्राइलर और लेयर की टीकाकरण अनुसूची बनाएं।

8. इन्हें परिभाषित कीजिएः

क) एच.डी.ई.पी.

ख) एच.एच.ई.पी.

ग) लाभ–लागत अनुपात

घ) डीबिलिंग

ड.) विंग नोचिंग

9. अन्डे का श्रेणी करण क्या है? खाने के अंडो की विभिन्न श्रेणियों के बारे में लिखिए।

10. उत्पादन लागत को प्रभावित करने वाले कारकों को स्पष्ट कीजिए। लागत कम करने की विधियों का वर्णन कीजिए।

कुक्कुट दाने और दाना खिलाना

पाठ्यक्रम कोड : ओ.एल.पी.आई.- 002

कुल अंकः 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं। (5X10=50)

1. कुक्कुट आहार मदों को कैसे वर्गीकृत किया जाता है? स्पष्ट कीजिए। किन्हीं दो सामान्य जैव प्रोटीन स्रोतों एंव दो अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की चर्चा कीजिए।

2. ब्रायलर और लेयर आहार में खनिज मिश्रण की संयोजन लिखिए।

3. पक्षियों में पोषण तत्वों की कमी से होने वाले रोगों के किन्हीं दो खास संकेतों/लक्षणों को लिखिए :

क) लेयरों में विटामिन $डी_3$ की कमी

ख) चूज़ों में मैगनीज़ की कमी

ग) लेयरों में कैल्सियम की कमी

घ) चूज़ों में विटामिन $बी_2$ की कमी

च) चूज़ों में सेलेनियम की कमी

4. ऐफलेटॉक्सिकोसिस (aflatoxicosis) के कारण क्या हैं।यह पक्षियों के स्वास्थ्य एवं गुणवत्ता को कैसे प्रभावित करता है स्पष्ट कीजिए?

5. दाना (फीड) परिवर्तन अनुपात और दाना (फीड) सक्षमता अनुपात के अंतर को स्पष्ट कीजिए। हम इन्हे कैसे परिकलित कर सकते हैं? स्पष्ट कीजिए।

6. दाने को सूत्रबद्ध करने की विभिन्न विधियों का वर्णन करें।

7. दाने (फीड) के पैलेट स्वरुप से आप क्या समझते हैं? इसके लाभों एवं कमीयों को संक्षेप में लिखिए।

8. लेयरो को दाना खिलाने की प्रावस्था (फेज) फीडिंग विधि का वर्णन कीजिए।

9. मौसम की चरम स्थितियों में कुक्कुट पक्षियों को दाना खिलाने के विषय पर लिखिए।

10. बत्तख के दाना प्रबंधन का वर्णन कीजिए।